सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या (सी0आर0एम0)

जनपद–भदोही

दिनांकः 19 से 22 सितम्बर, 2017

कॉमन रिव्यू मिशन के अन्तर्गत चयनित जनपद भदोही में दिनांक 19.09.2017 से 22.09.2017 तक राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डॉ रईस अहमद, कन्सलटेन्ट (मातृ स्वास्थ्य) अरविन्द सिंह, कन्सलटेन्ट (पी0सी0पी0एन0टी0डी0) एवं डा0 पी0के0 गंगवार, कन्सलटेन्ट (एन0सी0डी0) द्वारा जनपद भदोही की ब्लाक इकाई, अभोली, औराई एवं महाराजा चेतसिंह जिला संयुक्त चिकित्सालय, ज्ञानपुर भदोही स्वास्थ्य इकाइयों का पर्यवेक्षण किया गया है, जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

सामु0स्वा0केन्द्र, अभोली –(सुरियावां)

- सामु0स्वा0केन्द्र, अभोली की बिल्डिंग निर्माणाधीन है, उक्त स्थिति में इसके सभी चिकित्सकीय कार्य सामु0स्वा0केन्द्र, सुरियावां पर सम्पादित किये जा रहे है। सामु0स्वा0केन्द्र, अभोली का भवन निर्माणाधीन होने के कारण पैरामेडिकल मानव संसाधन स्वीकृत नहीं किया गया है। अभोली की ब्लाक प्रोग्राम मैनेजमेन्ट यूनिट सामु0स्वा0केन्द्र, सुरियावां में अपने कार्यो का सम्पादित कर रही है।

- भ्रमण टीम द्वारा सामु0स्वा0केन्द्र, सुरियावां/अभोली के चिकित्सा अधीक्षक डा0 मो0 सउद को भ्रमण के उद्देश्य को अवगत कराते हुये समस्त चिकित्सा इकाई का निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य इकाई पर लगी हुई बायोमेट्रिक मशीन क्रियाशील नहीं थी। स्टॉप द्वारा रजिस्टर पर उपस्थिति दर्ज की जा रही थी।

- चिकित्सा इकाई पर एक बाल रोग विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तैनात है लेकिन निश्चेतक चिकित्सक अनुपलब्धता के कारण सिजेरियन प्रसव नहीं हो पा रहे है।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2017–18 में कुल प्रसव 1502 के सापेक्ष 1299 लाभाथियों को भुगतान माह 20 अगस्त, 2017 तक किया जा चुका है। आशाओ द्वारा कराये गये कुल 1074 प्रसव के सापेक्ष 1060 केसों को भुगतान किया गया। भ्रमण टीम द्वारा प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र अवशेष केसों का भुगतान लाभार्थी के आधार लिंक खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते का विवरण मानकानुसार निर्धारित प्रारुप पर अपडेट नहीं किया जा रहा था। स्वास्थ्य इकाई पर कैलशियम टैबलेट की अनुपलब्धता पायी गयी।
- मातृ मृत्यु समीक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लाक इकाई पर माह अप्रैल, 2017 से अगस्त, 2017 तक कुल 04 मातृ मृत्यु आशा द्वारा रिपोर्ट की गयी थी, लेकिन किसी भी मातृ मृत्यु ना तो सामुदाय आधारित समीक्षा की गयी थी एवं ना ही मृत्यु का रिकार्ड निर्धारित प्रारूपों पर अपडेट किया जा रहा था। ब्लाक स्तरीय सामुदाय आधारित समीक्षा दल एवं फैसिलिटी बेस समीक्षा दल का गठन नहीं किया गया था। उक्त दोनों कमेटियों के सम्बन्ध में ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक एवं चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अनभिज्ञता जाहिर की गयी, जबकि डी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया की जिला स्तर पर मातृ मृत्यु समीक्षा से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।
- स्वास्थ्य इकाई पर रोगी कल्याण समिति की बैठक निरन्तर मासिक रूप से सम्पादित की जा रही थी। अन्तिम बैठक दिनांक 18.09.2017 को सम्पन्न हुई जिसका कार्यवृत्त रजिस्टर पर अपडेट किया जा रहा था।
- स्वास्थ्य इकाई के परिसर में 30 शैय्या युक्त मैटरनिटी विंग क्रियाशील थी, जिसमें विगत 06 माह से प्रसव आदि का कार्य सम्पन्न किये जा रहे है।

- मैटरनिटी विंग के प्रसव कक्ष में उपस्थित प्रसव रजिस्टर में माह सितम्बर में 192 प्रसव एवं माह अप्रैल से सितम्बर, 2017 तक कुल 673 दर्ज थे, लेकिन रजिस्टर पर अधिकतर केसों के सामने एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित नहीं थे।
- प्रसव कक्ष एम0एन0एच0 टूल किट के अनुसार संचालित हो रहा था लेकिन प्रसव कक्ष मे ए0सी0 की सुविधा नहीं थी। कक्ष में डिजिटल वॉलक्लाक एवं लेबर टेबल पर मैट्रिक्स डालने हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया गया। कक्ष में प्रोटोकॉल प्रोस्टर एवं न्यू बार्न केयर कार्नर समुचित जगह पर स्थापित नहीं थे।

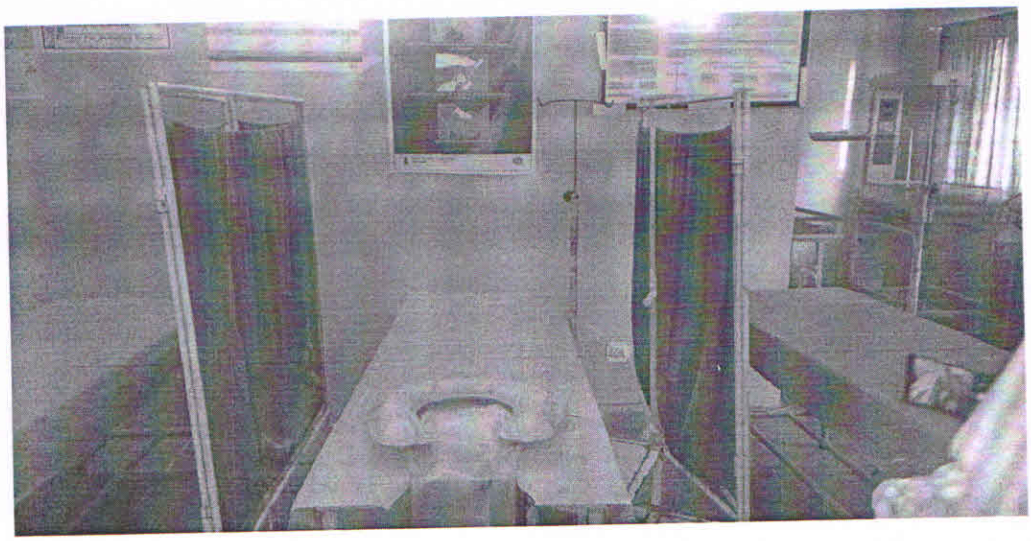

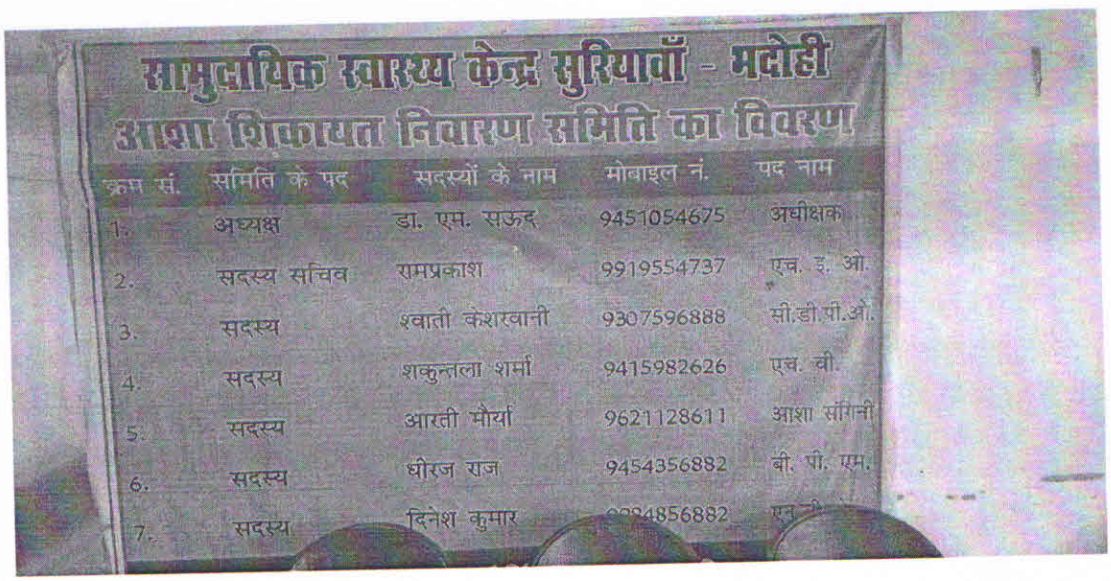

- इकाई पर कुल 06 स्टैर्डड रजिस्टर मे से केवल प्रसव रजिस्टर ही पाया गया। बी0एच0टी0 पुराने प्रपत्र पर ही भरा जा रहा था।
- स्वास्थ्य इकाई पर आशा बहुओं की समस्याओं के समाधान हेतु आशा ग्रेवेन्स रेडड्रेसल सेल गठित था।

- बायो मेडिकल बेस्ट मैनेजमेण्ट चयनित एजेन्सी द्वारा किया जा रहा था एवं परिसर में स्थित पिट मानकानुसार नहीं था।
- जे0एस0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत ई0डी0एल0, सीटिजन चार्टर एवं लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।
- फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा वार्ड में जाकर काउन्सलिंग की जा रही है एवं उसका प्रभाव लाभार्थियों पर हो रहा है। काउन्सलर को कार्यक्रम की अधिक जानकारी हेतु एक ट्रेनिंग की आवश्यकता है।
- एम्बुलेंस 102 एवं 108 की स्थिति एवं रिकार्ड सही पाये गये।

उपकेन्द्र– गडौरा

- उपकेन्द्र, गडौरा सरकारी विल्डिंग पर संचालित है जिसमें भ्रमण दल द्वारा अधीक्षक, सामु0स्वा0केन्द्र, सुरियावां के साथ उपकेन्द्र का निरीक्षण किया गया।
- ए0एन0एम0 चन्द्रकिरण उपस्थित थी। उपकेन्द्र पर लगभग 94 प्रति माह प्रसव भार है। माह अप्रैल से अगस्त, 2017 तक कुल 327 प्रसव किये जा चुके थे।
- उपकेन्द्र भवन की मरम्मत का कार्य चल रहा था इस लिये आई0ई0सी0 प्रदर्शित नहीं थी।

- उपकेन्द्र पर विजली एवं पानी की व्यवस्था सन्तोषजनक पायी गयी।
- ए0एन0एम0 द्वारा रक्तअल्पता से प्रभावित महिलाओं की लाइन लिस्टिंग की सूची तैयार की जा रही थी परन्तु ए0एन0एम0 एवं आशा को दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि के सम्बन्ध में जानकारी नहीं थी।
- उपकेन्द्र पर लेबर टेबल में जंग लगा था एवं पुरानी थी परिसर में एक नई लेबर टेबल पायी गयी जिसे तत्काल पुराने टेबल की जगह रखने को निर्देशित किया गया।
- ए0एन0एम0 द्वारा रिकार्ड का रख–रखाव सही से किया जा रहा था।

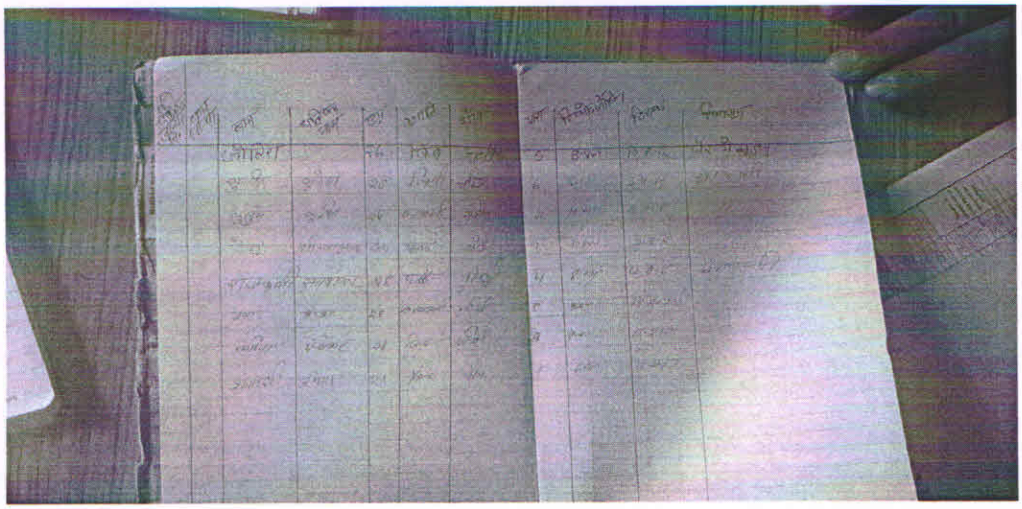

- उपकेन्द्र पर लेबर टेबल में जंग लगा था एवं पुरानी थी परिसर में एक नई लेबर टेबल पायी गयी जिसे तत्काल पुराने टेबल की जगह रखने को निर्देशित किया गया।

महाराजा चेतसिंह जिला संयुक्त चिकित्सालय, ज्ञानपुर, भदोही

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य इकाई में माह अप्रैल से सितम्बर 2017 तक के मध्य कोई भी सीजेरियन प्रसव नही करवाया गया। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत वित्तीय एवं भौतिक रिकार्ड जैसे–लेजर, कैशबुक अद्यतन नही पाये गये। पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से भुगतान न हुये जे0एस0वाई0 लाभार्थियों का रिकार्ड भी अद्यतन नही पाया गया।

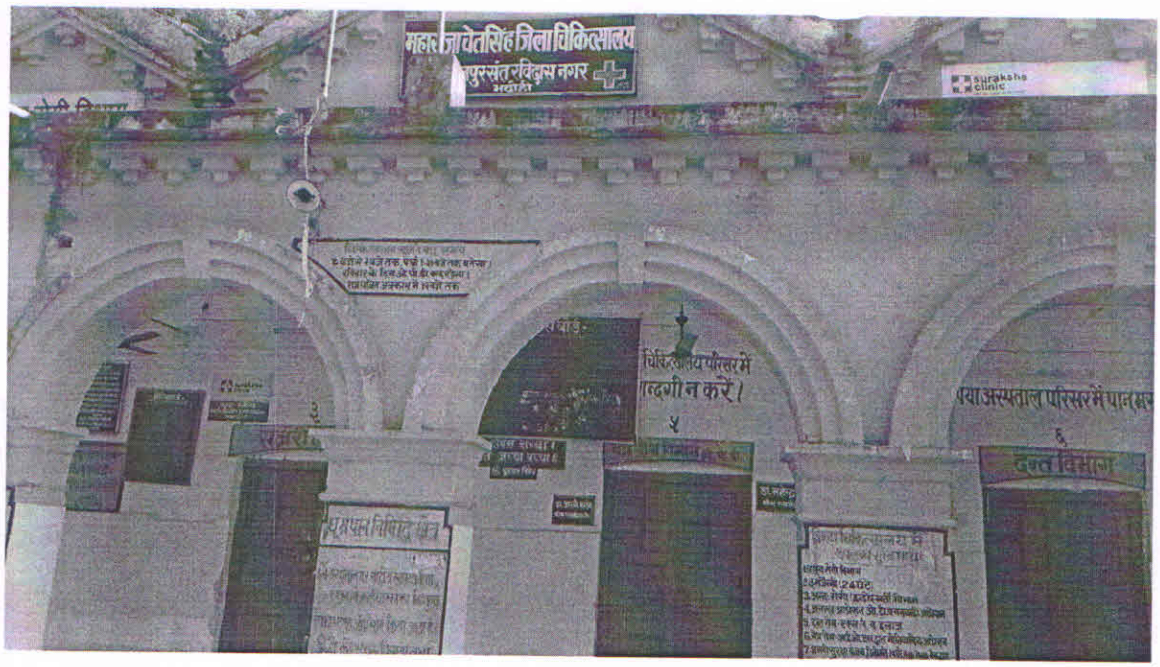

- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- **पी0पी0 सेन्टरः–** जिला चिकित्सालय में पी0पी0 सेन्टर पर तैनात महीला डाक्टर अजरा खान के द्वारा इस वर्ष 2017–18 में एक भी सीजर प्रसव नही कराये गयें एंव मौके पर भी उपस्थित नही मिली
- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया था और एफ.बी.एन.सी. एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।

- स्वास्थ्य इकाई में ड्रग लिस्ट डिस्पले थी पर सिटीजन चार्टर प्रदर्शित नही था।
- जिला महिला चिकित्सालय में शिकायत निवारण सेल गठित नही है एवं चिकित्सालय में सुझाव पेटिका उपलब्ध नही थी ।
- 06 रजिस्टरो में से कोई भी स्टैन्डर्ड रजिस्टर स्वास्थ्य इकाई पर उपलब्ध नहीं था जिस कारण रिकार्डो को प्लेन रजिस्टर पर अपडेट किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य इकाई पर 02 मेजर ओ0टी0 थी लेकिन ओ0टी0 के हालत देखकर यह स्पष्ट हो रहा था कि ओ0टी0 क्रियाशील नहीं है। ओ0टी0 कक्ष में दरवाजें एंव खिड़की पर पर्दा नही लगा था।
- ओ0टी0 कक्ष में उपलब्ध आक्सिजन सिलेण्डर खाली था एंव टेबल व टूल्स गन्दा था।
- ओ0टी0 कक्ष में लगें ए0सी0 खराब था, जिसे बनावायें जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- ओ0टी0 कक्ष द्वितीय में राज्य स्तर से टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि नये कक्ष में अधिकांश नयी मशीनें काफी दिनों से सुसज्जित रखी गयी थी परन्तु उसका उपयोग नही किया जा

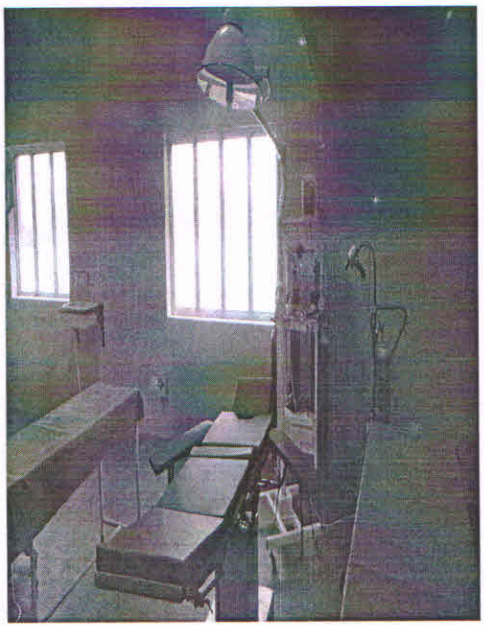

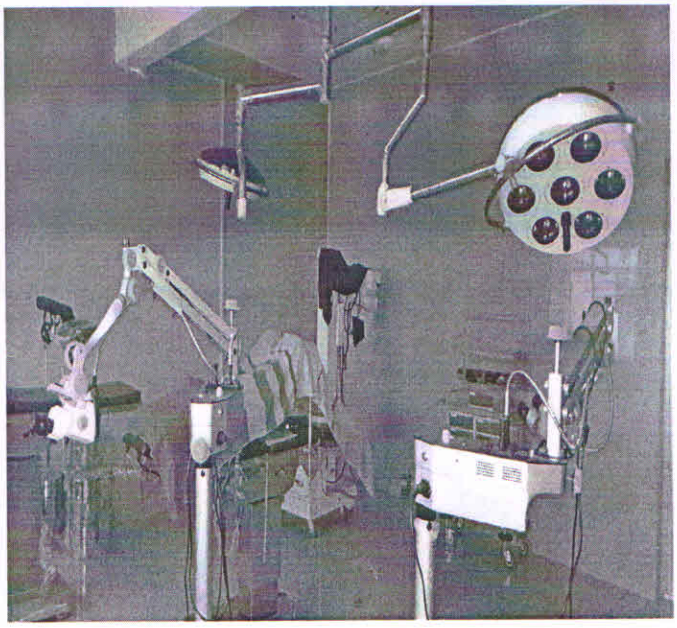

- स्वास्थ्य इकाई पर रेडियोलॉजिस्ट का पद रिक्त होने के कारण अल्ट्रासाउन्ड की सुविधा उपलब्ध नही थी। जिला चिकित्सालय में 01.10.2016 से कोई भी रेडियोंलाजिस्ट नही है बताया गया कि झासी से ट्रांसफर होकर डा0 अनुराग यादव को लग–भग दो महीने हो गये है, लेकिन उनके द्वारा अभी तक किसी तरह का अनुदान आख्या नही मिली है।

- ब्लड बैंक क्रियाशील पाया गया एवं समस्त रिकार्ड मानकानुसार अपडेट किये जा रहे थे।
- स्वास्थ्य इकाई पर मातृ मृत्यु समीक्षा हेतु एफ0बी0एम0डी0आर0 एवं सी0बी0एम0डी0आर0 कमेटी गठित नहीं पायी गयी।
- पी0एन0सी0 वार्ड पर प्रसव उपरान्त भर्ती महिलाओं को जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत खाना उपलब्ध कराया जा रहा था।
- एन0आर0सी0 वार्ड में निरीक्षण के समय केवल 06 बच्चे भर्ती थें तथा 06 बेड खाली थे रजिस्टर के निरीक्षण में पाया गया की एन0आर0सी0 वार्ड के संचालन समय से अबतक सी0एच0सी0 डीग की टीम द्वारा अबतक केवल 02 बच्चे ही रेफर किये गये इस हेतु साथ चल रहे मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा तुरन्त सम्बन्धित टीम से सम्पर्क कर नाराजगी व्यक्त की गई तथा टीम को रिकॉर्ड के साथ उपस्थित होने का आदेश दिया गया ।
- लेबर रुम में उपलब्ध तीनों लेबर टेबल पर मैट्रिक्स एवं कैलिशपैड नहीं पाये गये। लेबर रुम में कोई भी प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित नहीं थे। एम0एन0एच0 टूल के अनुसार लेबर रुम में 06 ट्रे उपलब्ध पायी गयी।
- लेबर रुम एवं ओ0टी0 में खिड़कियों पर पर्दे नहीं थे जिस कारण से निजता का उल्लघंन हो रहा था।
- पेथोलॉजी लेव का रख रखाव सन्तोषजनक था एवं सभी टेस्ट किये जा रहे थें।
- एक्सरे सेन्टर में केवल दो टेक्नीशियन ही है उन्ही के द्वारा एक्सरे किये जाते हैं चिकित्सालय में कोई रेडियोलॉजिस्ट नही हैं।
- आर0एन0टी0सी0पी0 लैब में वेस्ट मेटिरीयल ले जाने का कोई रिकॉर्ड नही रखा जाता है।
- जिला स्तर पर एन0सी0डी0 सेल एवं एन0सी0डी0 क्लीनिक हेतु मानव संसाधन की चयन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी थी किन्तु शासन स्तर से परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी गई केवल एन.सी0डी0 क्लीनिक में चिकित्सक पद हेतु अनुमति प्रदान की गई। चिकित्सक को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है।
- लैब की खिडकी के दरवाजे टूटे हुए थें एवं हेंड वॉस शेलूशन उपलब्ध नही था।

सामु0स्वा0केन्द्र –औराई

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र औरयी कायाकल्प प्रोग्राम के तहत चयनित इकाई है। जिसमें अप्रैल से सितम्बर, 2017 तक कुल 1210 प्रसव हुए। माह सितम्बर में 20 सितम्बर तक कुल 297 प्रसव रिकार्ड में दर्ज थे।

- प्रसव वार्ड :– प्रसव कक्ष में लगे पोस्टर सुव्यवस्थित नही थें, उसे सही स्थान पर लगाने हेतु निर्देशित किया गया, जैसा की प्रसव पूर्व एंव प्रसव पश्चात।
- लेबर रुम में उपलब्ध तीनों लेबर टेबल पर मैट्रिक्स उपलब्ध नहीं थे एवं कैलिशपैड पंजर पाये गये। लेबर रुम में कोई भी प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित नहीं थे। एम0एन0एच0 टूल के अनुसार लेबर रुम में 06 ट्रे उपलब्ध पायी गयी। डिजिटल वॉल क्लॉक उपलब्ध नहीं थी। शक्सन मशीन क्रियाशील नहीं पायी गयी। 24X7 बिजली की सप्लाई उपलब्ध नहीं थी। लेबर रुम में उपलब्ध शिलिंग फैन खराब पाया गया।
- प्रसव कक्ष में पुरानी बी0एच0टी0 प्रयोग की जा रही थी एवं प्रसव का रिकार्ड स्टैन्र्ड रजिस्टर पर अपडेट किया जा रहा था। लेकिन एम0सी0टी0एस0 नम्बर अपडेट नहीं किया जा रहा था।
- फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा वार्ड में जाकर काउन्सलिंग की जा रही है जिससे लाभार्थी परिवार नियोजन के बारे जागरूक हो रहे थे।
- लाभार्थियों को दिये जाने वाले खाने का रिकार्ड मानकानुसार अपडेट किया जा रहा था।
- बी0पी0एम0 द्वारा माह अप्रैल से सितम्बर तक कोई फील्ड विजिट नहीं की गयी थी एवं उसको राज्य स्तर से प्रेषित कार्यक्रमों की गाइडलाइनों की एवं न ही उसको अपने कार्यो एवं उत्तरदायित्वों के प्रति जानकारी थी।
- एम्बुलेशन 102 की दोनो गाड़ियों का ए0सी0 खराब था।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के गेट पर चिकित्सालय की तरफ एगित करते हुए कोई दिशा सूचक बोर्ड नही था।
- मरीज को पर्चा बनवाते समय खिडकी के बाहर खुले धुप मे खड़े रहना पडता है इस हेतु कोई टिन सेड नही है।
- अस्पताल परिसर में आई0ई0सी0 बहुत धुंधली एवं अपर्याप्त है।
- कलर कोडिड बिन में एक ही प्रकार की पोलिथिन लगी थीं
- टीम द्वारा चिकित्सालय के सभी कर्मचारियों को सी0आर0एम0 टीम बिजिट उद्धेश्य को बताया गया तथा सभी कमियों के निस्तारण हेतु निदेर्शित किया गया।

उपकेन्द्र– अमुवामॉफी

- उपकेन्द्र अमुवामॉफी सरकारी भवन में संचालित हो रहा था जिसमें औसतन 40 से 50 प्रसव का प्रसवभार था।

- उपकेन्द्र पर निरीक्षण के समय ए0एन0एम0 शर्मिला बिन्द उपस्थित थी।
- प्रसव कक्ष में अन्धेरा था इनवर्टर की सुविधा उपलब्ध नही थी, पूछने पर ज्ञात हुआ कि इस हेतु पैसा ग्राम प्रधान द्वारा निकल लिया गया है लेकिन इनवर्टर नही लगया गया है।

- उपकेन्द्र पर प्रसव हेतु 03 महिलाए मौजूद थी।

- प्रसव कक्ष में अन्धेरा था इनवर्टर की सुविधा उपलब्ध नही थी, पूछने पर ज्ञात हुआ कि इस हेतु पैसा ग्राम प्रधान द्वारा निकल लिया गया है लेकिन इनवर्टर नही लगया गया है।
- उपकेन्द्र के कक्ष का वेस नीचा होने के करण बारिश का पानी भर जाता है।
- मुख्य मार्ग से उपकेन्द्र को एगित करते हुए कोई बोर्ड नही लगाया गया हैं।
- उपकेन्द्र पर पाई गई समस्याओं के समबन्ध में साथ मे उपस्थित सी0एच0सी0 औराई के प्रभारी चिकित्साधिकारी को इसे ठीक करने हेतु टीम द्वारा निदेर्शित कि गया साथ इस समबन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी तथा जिला अधिकारी भदोही के संज्ञान में लाया गया।

भ्रमण उपरान्त दिनांक 21/09/2017 को सांयकाल टीम सदस्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ जनपद के जिलाधिकारी महोदय के निवास स्थान पर बैठक की गई । बैठक में टीम द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय में अल्ट्रासाउड कक्ष में ताला लगा होना, विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट मानक अनुसार फारमेट पर अंकित ना होना, पिछले एक वर्ष से जिला संयूक्त चिकित्सालय में सिजेरियन प्रसव पिछले एक वर्ष से ना होना एवं उपकेन्द्र अमवां माफी पर इनवर्टर ना होने से उत्पन्न परेशानी आदि पर जिला अधिकारी का ध्यान आकृष्ट किया गया। जिला अधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से परामर्श कर यथा शीघ्र निदान हेतु निर्देश दिये गये।

28/09/2017	Arvind Singh	
(डॉ रईस अहमद)	(अरविन्द सिंह)	(डा0 पी0के0 गंगवार)
कन्सलटेन्ट (मातृ स्वास्थ्य)	कन्सलटेन्ट (पी0एन0टी0डी0)	कन्सलटेन्ट (एन0सी0डी0)